संदेश

मुझे इस बात की खुशी हो रही है कि राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में **'रावस्वाप्रसं ई-हिंदी पत्रिका'** का शुभारंभ एवं प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। यह संस्थान केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों के कृषि अधिकारियों, विस्तार कर्मियों, प्रशिक्षार्थियों, किसानों एवं कृषि से जुड़े कर्मियों तथा व्यवसायियों के क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यह संस्थान एक प्रशिक्षण केन्द्र होने के बावजूद राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन एवं इसके नियमों का अनुपालन करने में प्रयासरत् है।

यह सर्वविदित है कि हिन्दी हमारे देश की सबसे लोकप्रिय भाषा है। इस भाषा की लोकप्रियता, इतिहास एवं इसकी समृद्धि पर नजर डालें, तो हम यह पाते हैं कि यह भाषा हमारी स्वाधीनता संग्राम की हथियार बनी एवं स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति के रूप में मुखर होकर सामने आई तथा भारत की स्वाधीनता की साक्षी बनी। हिन्दी ही हमारे देश को एकता के सूत्र में बॉधे रखने में सफल रही है। यही कारण है कि देश की आजादी के बाद संविधान के निर्माताओं एवं सुधीजनों ने इसकी ऐतिहासिकता, महत्ता एवं भारत के विकास में इसके महत्वपूर्ण अवदानों एवं विशिष्ट भूमिका एवं भविष्य में भी असीमित संभावनाओं को देखते हुए 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया।

हिन्दी अपनी क्षेत्रीयता, प्रांतीयता एवं राष्ट्रीयता की सीमाओं को लांघते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए उभर रही है। आज हिन्दी केवल किताबी दुनिया के दायरे तक सीमित न रहकर ज्ञान-विज्ञान, मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन, टेलिविजन, कंम्यूटर, मोबाइल एवं इंटरनेट की भाषा बन चुकी है। ई-बुक के माध्यम से भी हिन्दी की पाठ्य-सामग्रियों का प्रकाशन किया जा रहा है। अतः इस प्रकार देखा जाए, तो हिन्दी विश्व के मानचित्र पर अपनी पैठ बनाती दिख रही है, जो हमारे देश एवं प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है ।

यह संस्थान राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन एवं नीति की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए एनआईपीएचएम वेबसाइट **(niphm.gov.in)** पर कर्मचारियों के लिए **'रावस्वाप्रसं ई-हिंदी पत्रिका'**की शुरूआत करने जा रहा है, जो एक अच्छा प्रयास है। मुझे पूरा विश्वास है कि इससे कर्मचारियों एवं अधिकारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति रूचि ही नहीं, बल्कि बंधुत्व के साथ हिंदी में मूल लेखन के प्रति मुखर होंगे। यह पत्रिका उनको अपनी अभिव्यक्ति को रचनात्मक रूप से प्रगट करने में एक मंच प्रदान करेगा एवं संयुक्त प्रयासों से संस्थान के कार्यादेशों के अनुपालन में बल मिलेगा।

इस **'रावस्वाप्रसं ई-हिंदी पत्रिका'**के सफल प्रकाशन हेतु मैं हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

(श्रीमती वी.ऊषारानी, भा.प्र.से)
महानिदेशक

MESSAGE

I am very happy to learn that **NIPHM E-HINDI MAGAZINE** is being initiated for publishing in National Institute of Plant Health Management, Hyderabad website.

As we are aware that Our Institute (NIPHM) is a premier autonomous Institution under the Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture and Farmers welfare, Government of India and have an important role to promote sustainable agriculture by capacity building of agricultural officers of Central Government/State Governments, SAUs, Extension officers and trainees, farmers and agricultural professionals etc., In this Institute, the Rajbhasha Policy and Rules regarding its implementation are being compiled with in official works.

It is well known that Hindi is one of the most popular languages in our country. If we look at its popularity, history and prosperity, we will find that it became the main helm for unity of our freedom struggle and emerged as an expression of freedom as well as a witness to India's freedom. It has been successful to confine the people in unity under diverse circumstances. This is main reason that our constitution makers, thinkers and intellectuals, having seen its contribution and specific role in our nation's history, its importance in cultural development of India with its infinite opportunities and considered Hindi as our Official Language on 14 Sept, 1949.

Hindi language is emerging rapidly to make its recognition on International scene by crossing the limits of regionality, provinciality, nationality. Today, Hindi is not confined to the limits of books, but has become the language of science, media, electronic media, television, computer, mobile and internet. Hindi textbooks are also being published through E-book mode. Thus we can see that Hindi has made its identity on the Worldmap and it is pride for every Indian.

Our institute is initiating one more step towards the implementation of Official Language and start **NIPHM E-HINDI MAGAZINE** on NIPHM Website for its employees and officers. I am hopeful that it will not only create interest among the officers and employees but also encourage them as a fraternity with their original writings and creation. It will provide a great platform to express themselves creatively and put up joint efforts in pursuing the Institute's mandate.

I extend my greetings and best wishes for successful publication for **NIPHM E-HINDI MAGAZINE.**

(Smt. V. Usha Rani, I.A.S)
DIRECTOR GENERA